भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

वित्तीय सेवाएं विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2296

जिसका उत्तर 21 मार्च, 2023/30 फाल्गुन, 1944 (शक) को दिया गया

यूपीआई धोखाधड़ी

2296. श्री कार्तिकेय शर्मा:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारत द्वारा शुरु किए गए यूपीआई को विश्व के कितने देशों द्वारा अपनाया गया है;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान देश में यूपीआई द्वारा कुल कितने रुपए का लेन-देन दर्ज किया गया है और तत्संबंधी वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यूपीआई अपने ग्राहकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाने में सक्षम है; और

(घ) यदि नहीं, तो विगत तीन वर्षों के दौरान यूपीआई के माध्यम से ऑनलाइन धोखाधड़ी के कितने मामले दर्ज किए गए हैं और तत्संबंधी आंकड़ों का राज्य-वार और वर्ष-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (डॉ. भागवत कराड)

(क): भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी, एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) यूपीआई के अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए समर्पित है। एनआईपीएल ने व्यापारिक प्रतिष्ठान में भीम यूपीआई क्यूआर की सीमा पार स्वीकार्यता को मान्य बनाने के लिए विभिन्न देशों में विविध पहल की हैं। ये साझेदारियां भारतीय यात्रियों को अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक प्रतिष्ठानों में अपनी सभी खरीदों के लिए भीम यूपीआई क्यूआर का प्रयोग करके भुगतान करने की सुविधा प्रदान करती हैं।

जैसाकि एनपीसीआई द्वारा सूचित किया गया है, वर्तमान में भीम यूपीआई क्यूआर को सिंगापुर, यूएई, मॉरीशस, नेपाल और भूटान में स्वीकार्यता मिली है।

(ख): विगत तीन वर्ष के दौरान देश में यूपीआई लेन-देन का वर्ष-वार ब्यौरा निम्नानुसार है:

वित्तीय वर्ष	यूपीआई
	मूल्य (लाख करोड़ रूपये में)
2020-21	41.03
2021-22	84.17
2022-23 (फरवरी तक)	125.10

स्रोत: एनपीसीआई

(ग) और (घ): एनपीसीआई द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, ग्राहकों को यूपीआई धोखाधड़ी से बचाने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:

- यूपीआई सिंगल क्लिक टू फैक्टर अधिप्रमाणन समर्थित डिवाइस है जिसमें फिंगरप्रिंट/पासकोड को फर्स्ट फैक्टर के रूप में और यूपीआई पिन को सेकन्ड फैक्टर के रूप में प्रयोग किया जाता है;
- यूपीआई में डिवाइस बाइंडिंग की संकल्पना है जिसमें उपयोगकर्ता का मोबाइल नंबर उसके मोबाइल डिवाइस से जुड़ा होता है जिससे किसी के लिए भी इसमें हस्तक्षेप कर पाना असंभव होता है। उपयोगकर्ता को यूपीआई पिन के सृजन के लिए और अपने खाते को यूपीआई ऐप से जोड़ने के लिए इसके अतिरिक्त अपने डेबिट कार्ड क्रेडेन्शियल्स और अंत में एक ओटीपी की आवश्यकता होती है;
- यदि उपयोगकर्ता किसी अज्ञात लाभार्थी को भुगतान की प्रक्रिया आरंभ कर रहा है तो यूपीआई ऐप इन-ऐप जानकारी प्रदान करता है। यह भुगतान करते समय विप्रेषक को अंतिम लाभार्थी का नाम (बैंक के रिकार्ड के अनुसार) भी सत्यापित करता है जिससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि धन किसे अंतरित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, यूपीआई का पिन पेज भी स्पष्ट संदेश भेजता है कि यूपीआई पिन दर्ज करके वह किसी और को धन अंतरित कर रहा है; और
- इसके अतिरिक्त, भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र में विविध स्टेकहोल्डरों द्वारा ग्राहक जागरुकता का कार्य किया जा रहा है। सरकार भी राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल लेकर आई है, जिसमें उपयोगकर्ता 1930 पर कॉल करके तुरंत अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। यदि तत्काल सूचना दी जाए, तो लाभार्थी बैंकों में भुगतान पर तत्काल रोक लगाने में मदद मिलती है।

एनपीसीआई ने यह सूचित किया है कि यूपीआई पारिस्थितिकी तंत्र में सुरक्षा विशेषताएं विद्यमान होते हुए भी, सोशल इंजीनियरिंग कॉल पर उपयोगकर्ताओं के साथ कभी-कभी धोखाधड़ी होती है जिसकी प्रतिशतता बहुत कम है। विगत तीन वर्ष के दौरान ऐसी यूपीआई धोखाधड़ियों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

डिजिटल भुगतान का तरीका – यूपीआई		
वित्तीय वर्ष	**मामलों की संख्या**	**बिक्री की तुलना में धोखाधड़ी का अनुपात (मूल्य शर्तें)**
2020-21	77,299	0.0017%
2021-22	84,274	0.0016%
2022-23* (फरवरी 23 तक)	95,402	0.0015%

स्रोत: एनपीसीआई

चूंकि यूपीआई डिजिटल लेन-देन प्लेटफार्म 'कभी भी, कहीं भी' की बैंकिंग सुविधा वाला एक पैन इंडिया प्लेटफार्म है, इसलिए आंकड़े केवल राष्ट्रीय स्तर पर एकत्र किए जाते हैं।

*****